

होंठों पे मेरे जब भी बाबोसा नाम आये भजन लिरिक्स



होंठों पे मेरे जब भी,
बाबोसा नाम आये,
हर बात बन जाये,
जब मुस्किलो ने घेरा,
आये जो गम के साये,
हर बात बन जाये,
होंठों पे मेरे जब भी।bd।

तर्ज - जब जब बहार आये ।

इनके भरोसे ही मेरे,
जीवन की नैया चलती,
तूफान हो या आंधी,
उसको तो राह मिलती,
बाबोसा बनके माझी,
मेरी नैया को चलाये,
हर बात बन जाये,
होंठों पे मेरे जब भी।bd।

मुझको गले लगाकर,
हरपल दिया सहारा,
तेरे नाम से ही बाबोसा,
मेरा चल रहा गुजारा,
खुशियों के दीप तुमने,
जीवन में जो जलाये,
हर बात बन जाये,
होंठों पे मेरे जब भी।bd।

अपना बनाया जो मुझे,
तेरा रहमो करम है,
मेरे साथ है जो बाबा,
फिर न फिकर न गम है,
'दिलबर' तेरे फसाने,
'नागेश' गुन गुनाये,
हर बात बन जाये,
होंठों पे मेरे जब भी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



होंटों पे मेरे जब भी,
बाबोसा नाम आये,
हर बात बन जाये,
जब मुस्किलो ने घेरा,
आये जो गम के साये,
हर बात बन जाये,
होंटों पे मेरे जब भी।

गायक – नागेश कांठा ।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर' ।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365
